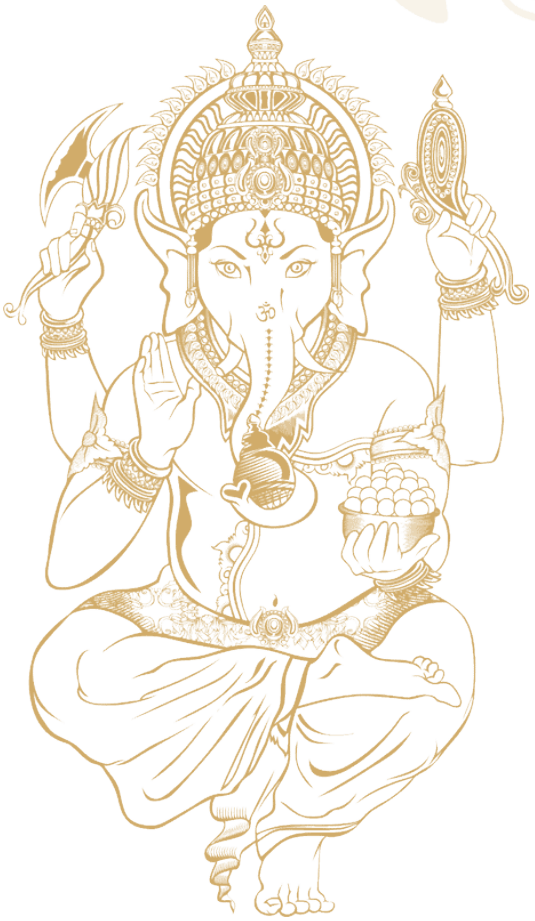

Khushi

11 Apr 2026

08:37 PM

Cuttack

Model: web-freekundliweb

Order No: 121903205

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/04/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:37:00 घंटे**
इष्ट	37:43:18 घटी
स्थान	**Cuttack**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	20:26:00 उत्तर
रेखांश	85:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:50:44 घंटे
वेलान्तर	-00:01:05 घंटे
साम्पातिक काल	10:10:07 घंटे
सूर्योदय	05:31:40 घंटे
सूर्यास्त	18:03:24 घंटे
दिनमान	12:31:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:30:38 मीन
लग्न के अंश	02:59:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:59:34	319:30:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मीन	27:30:38	00:58:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	13:35:26	12:26:08	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	07:11:08	00:46:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			मीन	01:01:56	01:17:38	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:24:20	00:05:40	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	20:28:07	01:13:29	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:38:04	00:07:20	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	13:51:14	00:01:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:51:14	00:01:48	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:01:37	00:02:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:22:17	00:02:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:08:18	00:00:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	06:14:14	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

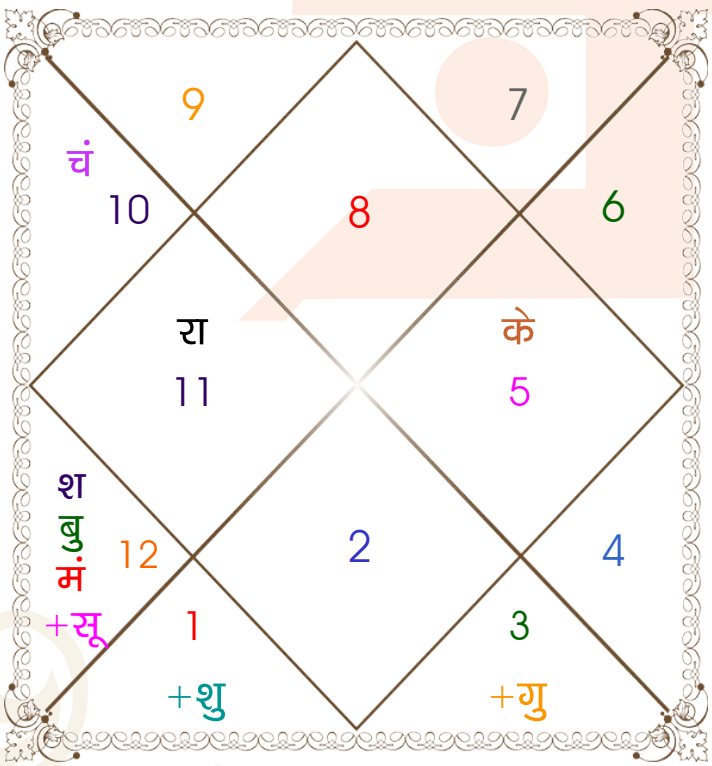

चन्द्र कुंडली

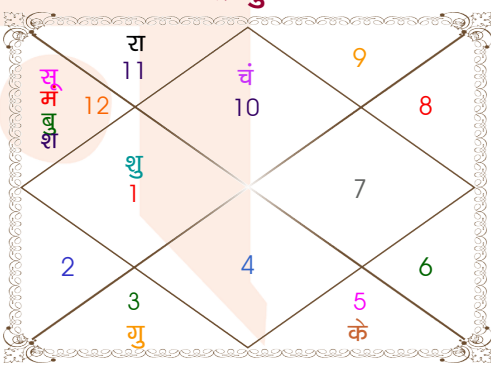

नवमांश कुंडली

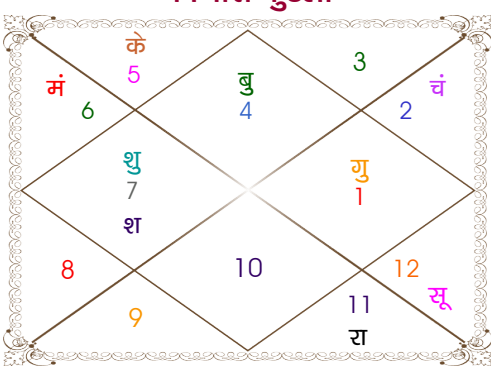

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 3 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/04/2026		01/08/2033		01/08/2040		02/08/2058		02/08/2074	
01/08/2033		01/08/2040		02/08/2058		02/08/2074		01/08/2093	
	00/00/0000	मंगल	28/12/2033	राहु	14/04/2043	गुरु	19/09/2060	शनि	04/08/2077
	11/04/2026	राहु	16/01/2035	गुरु	07/09/2045	शनि	02/04/2063	बुध	13/04/2080
राहु	02/07/2026	गुरु	23/12/2035	शनि	14/07/2048	बुध	08/07/2065	केतु	23/05/2081
गुरु	01/11/2027	शनि	31/01/2037	बुध	31/01/2051	केतु	14/06/2066	शुक्र	23/07/2084
शनि	01/06/2029	बुध	28/01/2038	केतु	19/02/2052	शुक्र	12/02/2069	सूर्य	05/07/2085
बुध	01/11/2030	केतु	26/06/2038	शुक्र	18/02/2055	सूर्य	01/12/2069	चंद्र	03/02/2087
केतु	02/06/2031	शुक्र	26/08/2039	सूर्य	13/01/2056	चंद्र	02/04/2071	मंगल	14/03/2088
शुक्र	31/01/2033	सूर्य	01/01/2040	चंद्र	14/07/2057	मंगल	08/03/2072	राहु	19/01/2091
सूर्य	01/08/2033	चंद्र	01/08/2040	मंगल	02/08/2058	राहु	02/08/2074	गुरु	01/08/2093

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/08/2093		03/08/2110		02/08/2117		02/08/2137		03/08/2143	
03/08/2110		02/08/2117		02/08/2137		03/08/2143		00/00/0000	
बुध	29/12/2095	केतु	30/12/2110	शुक्र	02/12/2120	सूर्य	20/11/2137	चंद्र	02/06/2144
केतु	25/12/2096	शुक्र	29/02/2112	सूर्य	02/12/2121	चंद्र	21/05/2138	मंगल	01/01/2145
शुक्र	26/10/2099	सूर्य	06/07/2112	चंद्र	03/08/2123	मंगल	26/09/2138	राहु	12/04/2146
सूर्य	01/09/2100	चंद्र	04/02/2113	मंगल	02/10/2124	राहु	21/08/2139		00/00/0000
चंद्र	01/02/2102	मंगल	03/07/2113	राहु	03/10/2127	गुरु	08/06/2140		00/00/0000
मंगल	29/01/2103	राहु	21/07/2114	गुरु	03/06/2130	शनि	21/05/2141		00/00/0000
राहु	18/08/2105	गुरु	27/06/2115	शनि	02/08/2133	बुध	28/03/2142		00/00/0000
गुरु	23/11/2107	शनि	05/08/2116	बुध	02/06/2136	केतु	03/08/2142		00/00/0000
शनि	03/08/2110	बुध	02/08/2117	केतु	02/08/2137	शुक्र	03/08/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 3 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।